Research Guru
Online Journal of Multidisciplinary Subjects (ISSN : 2349-266X)
Volume-14, Issue-1, June-2020
www.researchguru.n
Impact factor:4.081

Website: www.researchguru.net
Email id: researchguru125@gmail.com

Editor in chief
Dr.K.G.Patel

Executive Edito
Mr.Rakesh Pat

Research Guru
Online Journal of Multidisciplinary Subjects (ISSN : 2349-266X)
Volume-14, Issue-1, June-2020

TABLE OF CONTENTS

Sr.No.	Title	Name of Author	Subject	Page
1	Occurrence, prevalence and species composition of *Rhizoglyphus robini* Claparede, 1869 (Acari: Astigmata: Acaridae) from some stored food products in Punjab (India)	Parminder Singh Dehar & Mohd Yousuf Paray	Zoology	01tc
2	Rodrigues's Formulae for The Generalized Hypergeometric Polynomials of Three Variables	Brijendra Kumar Singh	Mathematics	05tc
3	A Coverage Study of Tribal News in Hindi News Papers	Madhuri Devi Kushwaha	Management	18t
4	ROLE OF TEACHER TRAINING INSTITUTIONS IN ENHANCING CAPACITIES OF ENGLISH TEACHERS	Prof.Kasturi VRK Sarma & Dr.Mandala Chandrashekhar Goud	Education	22tc
5	Advance Organizer Model: Reviews of Past Studies	Mikul Patel & Dr. Diptiben Trivedi	Education	25tc
6	Concept Attainment Model: Reviews of Past Studies	Mikul Patel & Dr. Diptiben Trivedi	Education	29tc
7	Concept Attainment Model: Theoretical Reviews	Mikul Patel & Dr. Diptiben Trivedi	Education	33tc
8	AN INQUIRY ON KPSC RANKING AND INTER COMMUNITY DISPARITY AMONG SCHEDULED TRIBES OF WAYANAD	Dr. T. Mohamed Saleem & Muneer V.	Education	37tc
9	Ramo Folksongs: An Ecocritical Study	Ms. Nasi Koje	English Literatur	43tc
10	PSYCHOLOGICAL WELL-BEING AMONG CANCER PATIENTS IN RELATION TO GENDER	Dr. PARIKSHITKUMAR M. VAGHELA	Psychology	50tc
11	FAMILY ENVIRONMENT AMONG COLLEGE STUDENTS IN RELATION TO GENDE	JIGNASA M. ROHIT	Psychology	55tc
12	Impact of Environment on the Decline of the Harappan Culture	Dr. Shree Kamaljee	Geography	61tc
13	Socio-economic Marginalization of Female Heads: A Case of Haryana	Vandana Dave	Social Science	66tc
14	મહાભારતનો ગુજરાતી સાહિત્ય પર પ્રભાવ	Rathod Arunaben J.	Gujarati	73tc
15	ગોવિંદગુરૂ અને ભગત ચળવળ	Bhabhor Rajeshkumar V.	Gujarati	75tc
16	मानवीय गरिमा हेतु रोजगार का अधिकार एवं मनरेगा-एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	Dr Neha Niranjan & Mr Rajendra Kumar Patel	Political Science	78tc
17	DIVISION OF FAMILY WORK AND DECISION MAKING PATTERN AMONG THE DUAL EARNER COUPLES	Prof.Madhurima Verma & Dr. Jaswinder Kaur	Sociology	88tc
18	ઝાલાવાડમાં શિક્ષણ દિવડાં પ્રગટાવતી સંસ્થા મૈત્રી વિદ્યાપીઠ	Nareshkumar A.Desai	History	98to
19	राजतरंगिणी में राजवंश	Poonam Kumari	History	103tc
20	ભારતમાં ગ્રામીણ આવાસની સ્થિતિ, સમસ્યાઓ અને ઉકેલો	Dr.Hitesh N.Jagani	Rural Studies	107tc
21	'પોલિટેકનીક - એક ટોયલેટ કથા'	Rathod Premsinh D.	Gujarati	117tc
22	Need of Electronic Data Processing Audit and its Organization	Dr.Shobha Pandey	Accounting	120tc
23	ભારતીય પરિપ્રેક્ષ્યમાં કૃષિ ઉત્પાદકતા	Daxa Vasava & Dr.Satish Patel	Management	124tc
24	ગાંધીવિચાર આધારિત ગ્રામવિકાસ : રચનાત્મક સંસ્થાઓના પરિપ્રેક્ષ્યમાં અભ્યાસ (ગુજરાત રાજ્યના સંદર્ભે અભ્યાસ)	Mohammadsaiedbhai Abdulhakim Kureshi	Economics	129tc
25	भारत की विदेशनीति में अटल बिहारी बाजपेयी का योगदान : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	Dr.Ranvir Singh Thakur	Political Science	143tc
26	પ્રાથમિક શાળામાં નોકરી કરતી શિક્ષિકાઓનો અભ્યાસ	Kirti C.Solanki	Sociology	150tc
27	ઇતિહાસના સંશોધનમાં સ્થળનામોનું મહત્વ	Dr.Kanaiyalal R.Nayak	History	153tc
28	भारत एवं पाकिस्तान की विभाजनकारी विचारधारा का पाकिस्तानी उर्दू अखबारों में	Dr.Manojkumar Patel	Mass Media	161tc
29	એક ઐતિહાસિક પ્રવાસન સ્થળ: રાજમહેલ સંતરામપુર	Shailendrasinh M.Rana	History	179tc
30	બાગાયતી ખેતી વિશે એક સામાન્ય સમજ	Krushnavirsinh R.Zala	Economics	185tc
31	હિંદ સ્વરાજ એકવિચાર કે વ્યવહાર	Dr.Khyati K.Dave	History	189tc

Research Guru
Online Journal of Multidisciplinary Subjects (ISSN : 2349-266X)
Volume-14, Issue-1, June-2020
www.researchguru.net

मानवीय गरिमा हेतु रोजगार का अधिकार एवं मनरेगा–एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

Dr Neha Niranjan
Assistant Professor, Political Science &Public Administration
Department, Dr. Hari Singh Gour University, Sagar M.P.

Mr Rajendra Kumar Patel
Research Scholar, Political Science &Public Administration
Department, Dr. Hari Singh Gour University, Sagar M.P.

सारांश :-

सामाजिक आर्थिक सुरक्षा गरिमापूर्ण मानवीय जीवन की महती आवश्यकता है जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा सार्वभौमिक घोषणापत्र में की गई। किंतु वर्तमान में भारत में बढ़ती बेरोजगारी की दर अधिक विकास एक महत्वपूर्ण चुनौति बनी हुई है। ऐसे मे महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम ग्रामीण बेरोजगारी को खत्म कर व्यक्तियों के विकास मे कितनी सफल है, इस योजना के अतर्गत सरकार 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराकर रोजगार की गारंटी सुनिश्चित करने में कहा तक सफल रही है एवं योजना के कियांवयन का लाभ जमीनी स्तर पर पहुँचाया नही इन सभी बिंदुओ पर विश्लेषण अध्ययन करना मेरे इस शोध पत्र का प्रमुख उद्दश्य है।

Key Words- *सार्वभौमिक घोषणपत्र, राइट टू वर्क, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2009, नेशनल कांऊसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च श्रम की गरिमा, ग्लोवल हयूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट 2015*

प्रस्तावनाः–

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, और स्वतंत्रता मानव का स्वभाव है। मनुष्य, स्वतंत्र तब होता है जब उसे शोषण के बिना काम करने का अधिकार हो अतः प्रश्न यह उठता है कि काम का अधिकार और मानव स्वतंत्रता के बीच क्या सम्बन्ध है ? दोनों के बीच एक सीधा सम्बन्ध है कि अगर आदमी को अपनी जीविका के लिए और गरिमामय जीवन जीने के लिए काम न हो तो वह स्वतंत्र नही होगा। अगर उसके पास काम नही होगा तो वह भूख और दरिद्रता से मुक्त नही होगा वह रोटी, कपडा और आश्रय के सम्बन्ध में अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने की स्थिति में नहीं होगा। अगर वह भूख और दरिद्रता से मुक्त नही होगा तो सभी स्वतंत्रताएं खोखली रह जाएगी क्योंकि रोजगार के माध्यम से ही व्यक्ति अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता है, अतः मानव स्वतंत्रता को आधारशिला प्रदान करता है : काम करने का सुनिश्चित अधिकार। इस मूल अधिकार के बिना अन्य सभी मानव अधिकार तथा स्वतंत्रताएं अगर काल्पनिक नही तो अस्थायी अवश्य रहेंगी। मानव अधिकारों में भी मानवीय जीवन की गरिमा हेतु रोजगार के अधिकार की अनिवार्यता को स्वीकार किया गया है।

मानव अधिकार मानव के वे अधिकार हैं जो उनके पूर्ण शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए अत्यावश्यक हैं इन अधिकारों का उद्भव मानव की अंतर्निहित गरिमा से हुआ है। मानव अधिकार सभी अधिकारों का एक समूह है जो हर व्यक्ति को उसके लिंग, जाति, धर्म, राष्ट्र, स्थान या आर्थिक स्थिति में भेदभाव किए बिना दिया जाता है, कानून द्वारा सुरक्षित यह अधिकार हर जगह और हर समय लागू होते है। मानव अधिकार हर प्राणी का हक है बुनियादी मानव अधिकारों में जीवन जीने का अधिकार, निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, सामाजिक सुरक्षा का अधिकार, भाषण की स्वतंत्रता, भेदभाव से स्वतंत्रता, दासता से स्वतंत्रता एवं आर्थिक सुरक्षा (रोजगार का अधिकार) आदि शामिल है।[1]

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1948 में मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा पत्र को अंगीकार और उद्घोषित किया। इस उद्घोषणा के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति और समाज का प्रत्येक अंग इन अधिकारों और स्वतंत्रताओं के प्रति सम्मान जागृत करेगा और अधिकारों की विश्वव्यापी एवं प्रभावी